Dainik Bhaskar - 30- January-2024

13 जिलों की प्यास पर लंबी सियासत-लंबा इंतजार और अब इकरार...आगे क्या?

45 हजार करोड़ खर्च होंगे, 5-6 साल में पूरा होगा ईआरसी-पीकेसी प्रोजेक्ट

हर्ष खटाना | जयपर

पर्वी राजस्थान के अहम प्रोजेक्ट ईआरसीपी को विस्तार मिला और पार्वती-कालीसिंध-चम्बल पूर्वी राजस्थान नहर लिंक परियोजना (पीकेसी-ईआरसीपी) के रूप में इस पर एमओयू हुआ तो 13 जिलों में पीने व सिंचाई के पानी के लिए इंतजार अब खत्म होने की उम्मीद बंधी है। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत की मध्यस्थता में राजस्थान व एमपी के बीच एक दिन पहले हुए इस एमओयु के बाद अब केन्द्र के स्तर पर वित्तीय मंजूरी के लिए एमओयू होना शेष है। वह भी जल्दी हो जाएगा। इसके बाद नई डीपीआर बनेगी और इसी वर्ष काम शुरू हो जाएगा। इसे पुरा होने में संभवतः 5 से 6 साल लगेंगे। कुछ काम राजस्थान को और कुछ एमपी को करने हैं। प्रोजेक्ट पर राजस्थान में अनुमानित 40 से 45 हजार करोड़ रुपए खर्च होंगे।

विधानसभा में हंगामा पढ़ें... शासन-प्रशासन पेज पर सीधी बात • केंद्रीय मंत्री शेखावत से, जिनके दखल से 20 साल का विवाद ७ घंटे में सुलझा

भास्कर : क्या सियासी लाभ के लिए प्रोजेक्ट अटकाया गया था?

शेखावत : छलावा तो कांग्रेस करती रही, अब तो काम होगा

न पारपाजना बड़ा है। यह पूरा होने में 3-8 साल लग सकते हैं। दोनों प्रदेशों में डबल इंजन की सरकार है इसलिए कोई बाधा नहीं आएगी।

🔃 डीपीआर कब तक बन जाएगी?

• संशोधित डीपीआर बनाने का काम तेजी से हो रहा है। प्रोजेक्ट पर काम अतिशीघ्र शुरू होगा।

े व्या अब पानी कम मिलेगा, पहले और अब फर्क क्या है? ■ कम पानी मिलने की बात निराधार है। सच यह है कि कांग्रेस सरकार जो प्रोजेक्ट लाई, वह छलावा मात्र था। उसमें 15 हजार करोड़ खर्च के बावजूद 521 एमसीएम पानी मिलना था। यह जयपुर, अजमेर व टोंक की पेयजल जरूरत के लिए भी पर्याप्त नहीं होता। शेष जिलों के लोगों को सिंचाई के लिए तो दूर, पीने के लिए एक बूंद तक नहीं मिलने वाली थी। संशोधित पीकेसी-ईआरसीपी लिंक प्रोजेक्ट में राजस्थान को 2500 एमसीएम यानी पांच गुना पानी मिलेगा। इससे 13 जिलों के लोगों को अगले 30 वर्ष तक आपूर्ति मिलेगी, 7 लाख एकड़ जमीन भी सिंचित होगी। साथ ही 30 से ज्यादा छोटे-बड़े बांध-तालाब भरेंगे। इससे इन क्षेत्रों का भुजल स्तर भी सुधरेगा। 🔃 राजस्थान को कितना खर्च वहन करना होगा?

 प्रोजेक्ट 40-45 हजार करोड़ का होगा। नदी जोड़ो परियोजना में आने से 90% राशि केंद्र देगा। राजस्थान और एमपी, दोनों को मिलकर मात्र 4 हजार करोड़ रुपए खर्च करने होंगे।

🔃 क्या अब तक सियासी लाभ के लिए अटका था?

• राजनीतिक स्वार्थ से तो गहलोत सरकार ने गितरोध पैदा किए। अब तो प्रोजेक्ट साकार होगा। 7 लाख एकड़ में सिंचाई हो सकेगी। नेता प्रतिपक्ष बताएं कि इस प्रोजेक्ट पर कितनी बार चिंता जताई? गहलोत सीएम थे तो एक बार भी दिल्ली आकर चर्चा नहीं की, बयानबाजी करते रहे।



अब स्वागत...

एमओयू कर लौटे तो एयरपोर्ट पर सीएम भजनलाल शर्मा का गर्मजोशी से स्वागत किया गया। The Times of India - 30- January-2024

Ground Reality Belies Panel's Claims Of Yamuna Being Cleaner In A Year

Contamination Of Water High At River's Exit Point Even As Key Deadlines Pushed

Kushagra.Dixit@timesgroup.com

New Delhi: A year after it was constituted in Jan 2023, the high-level committee (HLC) on the Yamuna claimed at its meeting this month that certain pollution parameters of the river water had shown a 70% improvement.

The assessment was based on comparison of the faecal coliform level between Dec 2022 and Dec last year at Asgarpur, the point where the river exits the city. However, belying the claims of improvement, the contamination of the water remains high even as the deadline for treating all sewage flowing into the river has been shifted from Dec 2023 to March.

The committee held only eight meetings in the year since its formation. No meetings were held in Nov and Dec last year despite the National Green Tribunal's mandate being to meet every month.

According to the minutes of the meeting chaired by Delhi chief secretary earlier this month, a fresh deadline was set for sewage treatment



after noting there was a gap of 227 million gallons per day (MGD) between installed capacity and actual treatment.

MILES TO GO

In response to NGT's observations on Jan 9, HLC said that of the 22 drains that flow into the Yamuna, only nine had been tapped. The 13 others are still discharging 2,976 MLD of sewage into the river. Najafgarh and Shahdara drains, the main sources of sewage discharge of 507.4 MGD,

status of sewage being dis-

BOD: The minimum oxygen required

charged through drains and sewage diverted to STPs has to be taken into account.

It added that in the STPs' performance results, no data had been provided for faecal coliform. The performance results provided by CPCB in its report on nine STPs show that only two of them were meeting the required norms, it said.

HLC stated it had taken certain decisions on the 'Action Plan for Rejuvenation of River Yamuna', which includes 100% treatment of sewage, tapping of all drains, establishment of sewarage network in unauthorised colonies and JJ clusters, management of industrial effluent though 13 treatment plants; management of faecal sludge (septage), regulation of the floodplain, utilisation of treated waste water and solar power generation along the Najafgarh drain.

HLC has been informed by various departments that 183 storm water drains have so far been disconnected from the sewers and around 102 hectares of floodplain land have been freed of encroachments.

Dainik Bhaskar - 30- January-2024

जोजरी नदी को स्वच्छ बनाने की योजना जल्द : शेखावत

जयपुर | जोजरी नदी को स्वच्छ बनाने की योजना जल्द पश्चिमी राजस्थान की जनता को मिल सकती है। केंद्रीय जलशिक्त मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने सोमवार देर शाम संशोधित पार्वती-कालीसिंध-चंबल-ईस्टर्न राजस्थान कैनाल प्रोजेक्ट लिंक परियोजना को लेकर फेसबुक लाइव में यह जानकारी दी। शेखावत ने बताया कि जोधपुर और बाड़मेर सीमा तक जोजरी नदी के गंदे पानी का संकट है। इस संकट के समाधान की सौगात जल्द मिलने जा रही है। हम इस संकट के समाधान के लिए भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित एक योजना लेकर आ रहे हैं, जिसमें एक बड़ी धनराशि खर्च कर न केवल जोजरी के पानी के प्रदूषण की समस्या का स्थाई समाधान करेंगे। उसके माध्यम से नदी में साफ जल बहेगा। साफ जल बहने के चलते नदी के पानी का उपयोग किया जा सकेगा। कुओं में प्रदूषण की पानी में बनी है, उस समस्या से भी निजात मिलेगी। उन्होंने कहा कि जो जमीन डिग्रेड हुई है, उससे भी निजात मिलेगी। जोधपुर से लेकर अराबा तक का सारा क्षेत्र इस प्रदूषण के संकट से गुजर रहा है। यह संकट जल्द समाप्त होगा। **Hindustan Times - 30- January-2024**

Mercury on upward trend, IMD issues yellow alert for rain today

HT Correspondent

letters@hindustantimes.com

NEW DELHI: A western disturbance currently active near the hills gave Delhi a relatively warm Monday, with the maximum and minimum inching up compared to the previous day.

However, strong winds are likely to sweep through Delhi on Tuesday, with rain likely as well, said the India Meteorological Department (IMD), as it issued a yellow alert for light showers in the city.

showers in the city.

Delhi's minimum temperature on Monday increased to 6.8 degrees Celsius (°C), from 4.3°C on Saturday and 6°C on Sunday.

Sunday.

This is likely to pick up further over the next few days, forecast to touch 8°C on Tuesday and 10°C on Wednesday, indicating that the winter chill is now likely on the wane.

Kuldeep Srivastava, scientist at IMD, said, "A western disturbance around Jammu and Kashmir is currently influencing parts of the plains and leading to cloudiness. This has led



The minimum temperature on Monday was 6.8°C. PARVEEN KUMAR/HT

to an increase in minimum temperature as well as a change in wind direction to easterly winds," he said.

"We expect a stronger western disturbance to impact the plains from December 31. This will bring drizzle to very light rain in NCR, with strong winds touching up to 40kmph," he said.

IMD said parts of Delhi are likely to get a drizzle on Thursday.

The maximum on Monday, meanwhile, was 22.6°C — a degree above normal, and four higher than Sunday's 18.6, though this was lower than the balmy 24°C logged on Saturday.

The maximum is forecast to hover between 2l and 22°C over the next two days, IMD said.

Across the National Capital Region (NCR), Gurugram recorded a maximum and minimum of 21.3°C and 8.5°C respectively. In Noida, the temperature swung between 21.8°C and 8.4°C.

The Met department said shallow fog was recorded on Monday, with the lowest visibility recorded at 700 metres in the early hours of the day, though flights at the Indira Gandhi International Airport were minimally impacted. However, at least 24 trains were delayed by at least an hour, due to the fog, Railway officials said.

Meanwhile, Delhi's pollution levels remained in the "very poor" zone, with a 24-hour average air quality index (AQI) of 356 at 4 pm, marginally better than the 365 a day earlier. However, the AQI is forecast to touch "severe" on Tuesday.

The Commission for Air Quality Management (CAQM) said it held an emergency meeting on Monday but decided to not invoke stage 3 measures under the Graded Response Action Plan (Grap), due to the possible improvement in air quality expected from Wednesday.

day.

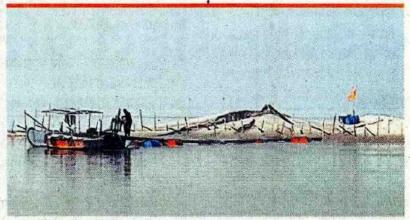
"The CAQM sub-committee noted that a spurt in Delhi's average AQI, projected for Tuesday by the IMD and the Indian Institute of Tropical Meteorology (IITM) is likely for a short duration, before returning to the 'very Poor' category owing to improved meteorological conditions including gusty winds with a probability of rain... the overall outlook for subsequent days projects Delhi's average AQI to stay in 'poor' or the 'very poor' category. Therefore....it was decided not to invoke Stage-3 of GRAP at this stage," said CAQM in a statement on Monday.

Dainik Jagran - 30- January-2024

घाट पर पानी लाने को मोड़ी गई सरयू की धारा

जासं, अयोध्या : अयोध्या में जल पर्यटन को बढ़ावा देने में सरकारी तंत्र जुट गया है, जिसकी कभी अयोध्यावासियों ने कल्पना भी नहीं की थी, उस दिशा में केंद्र और उत्तर प्रदेश की सरकार जुटी है। सरयू नदी में नयाघाट से गुप्तारघाट तक जलयानों के संचालन के लिए प्रयास तेज कर दिए गए हैं। वर्तमान में नदी का जलस्तर कम होने और धारा बदल जाने से जलयानों का संचालन नहीं हो पा रहा है। अब नदी की धारा को घाट की ओर मोड़ा जा रहा है। इसके लिए गुप्तारघाट पर सरयू नदी में तकरीबन 100 मीटर बाड बनाई गई है। घाट पर पानी कम होने के कारण डेजिंग भी कराई जा रही है, जिससे नदी गहरी हो जाए और जलयान घाट से होते हुए जेटी तक पहुंच सके। यह कार्य निरंतर चल रहा है। बता दें, ड्रेजिंग झीलों, निदयों, बंदरगाहों और अन्य जल निकायों के नीचे से तलछट और मलबे को हटाना है।

सरयू का जलस्तर घटने से नदी ने रास्ता ही नहीं बदला, बल्कि घाटों जलयानों के लिए नदी को गहरा करने के लिए की जा रही ड्रेजिंग अयोध्या में जल पर्यटन को बढ़ावा
 देने में सरकारी तंत्र जुटा



सरयू नदी के गुप्तारघाट पर कराई जा रही ड्रेजिंग 🏶 जागरण

से भी दूरी बना ली है। गुप्तारघाट से अयोध्या के नयाघाट तक नदी के बहाव का मुख्य मार्ग सूख गया है। अब वहां किसान खेती कर रहे हैं। गुप्तारघाट से ही नदी की धारा काफी दूर चली गई और गोंडा जिले का हिस्सा बन गई। अगर कहीं पानी दिखता है तो केवल गुप्तारघाट और यहां से 10 किलोमीटर दूर रामकी पैड़ी के सामने पक्के घाट पर है। गुप्तारघाट पर डेजिंग कर नदी के

बहाव को घाट की ओर मोड़ा गया है, लेकिन अभी उसमें सफलता नहीं मिली है। घाट की ओर नदी का पानी आ रहा है लेकिन 100 मीटर बाद ही बदली धारा में समाहित हो जा रहा है। सरयू में जलयानों का संचालन सरकारी तंत्र के लिए चुनौती बना है। गुप्तारघाट पर नदी बमुश्किल तीन फीट ही गहरी है, जलयानों के संचालन को नदी का एक मीटर से अधिक गहरा होना आवश्यक है।